

SHRI PRAFULLA GOVINDA BARUAH

Shri Prafulla Govinda Baruah, Managing Director and Editor of The Assam Tribune is considered a doyen of Journalism in the North-East India.

2. Born in Dibrugarh on July 26, 1932, Shri Baruah graduated from Presidency College, Calcutta with honours in Economics in 1953, passed M. A. from Presidency College in 1955 and was Gold Medalist of Calcutta University L.L.B. in 1957. While studying he started his journalism career by writing articles and editorials for The Assam Tribune. After completing studies Shri Baruah joined the news desk in 1962 and worked in various capacities. In 1964 he went to United Kingdom to study journalism with a fellowship from Thomson Foundation. He took over as Managing Director of the Assam Tribune group in 1966 and modernized the whole organization. Apart from The Assam Tribune, the group led by him also publishes popular Assamese Daily Dainik Asam and Assamese weekly 'Asam Bani'. Dainik Asam completed 53 years and Asam Bani is 63 years old proving wrong the oft repeated saying that Assamese newspaper cannot last for a long period. In order to contribute in the held of Assamese literature, Shri Baruah started the literary Magazine 'Gariyoshi' which filled up a long standing vacuum. The publishing House "Sahitya Prakash" has been contributing towards development of Assamese literature by publishing books of prominent literary personalities of state, besides reprinting works of outstanding values of past century.

3. The most notable contribution of Shri Baruah is the strong role played by the newspaper of the Assam Tribune Group under his leadership on every issue concerning the people of North-East region, the newspaper always raised their voices to draw attention of the Government of India. Whenever, the north-east region faced any crisis situation, be it the problem of infliction of foreigners, Chinese aggression in 1962, war with Pakistan in 1971 etc., he led from the front to ensure that the newspapers of the Assam Tribune group always stood by the people of the region and worked in the interest of the nation as a whole.

4. For his contribution to the field of journalism in this backward part of the country, Shri Baruah has been honoured by various prominent personalities and organizations. While attending the Platinum Jubilee Celebration of The Assam Tribune in 2014, the Prime Minister Shri Narendra Modi described the newspaper as the voice of the people of the region and said "the people of North-East can live without their morning cup of tea but not without The Assam Tribune". This speaks volumes of the leadership quality and editorial skill of Shri Baruah. The concluding function of the Platinum Jubilee of The Assam tribune was attended by His Holiness the Dalai Lama in April, 2017. Besides a host of citations that he received for his contributions to the field of journalism, recently he was honoured by the late Kamala Saikia Trust for his contribution towards field of journalism. The Trust has been formed in memory of Journalist Kamala Saikia, who was shot dead by militants.

5. The Assam Sahitya Sabha felicitated Shri Baruah with a life-time achievement award for his contribution in the field of literature, art and culture. Doctor B Barooah Cancer Institute presented an appreciation citation to him for his role in creating awareness for control of Cancer. To encourage young talents, he founded Jyotirupa, a socio-cultural organization which not only organizes annual drama festivals and competitions and also brings prominent artistes from different parts of the country to perform in Assam, so that the people of state get an opportunity to enjoy the legends perform live. To facilitate all round economic development of Assam, Shri Baruah and a few of his close associates organized a series of seminars under the banner of "Assam Prakalpa". Experts from various fields including economists attended the seminars and the outcome of the same were handed over to the Government to help with formulating policies for development of Assam. He also sponsored a programme on Investment Opportunities in North-East which attended among others by former Prime Minister Dr. Monmohan Singh. Under the leadership of Shri Baruah, The Assam Tribune is also organizing Edu-Fairs in different parts of North-East for the benefit of the students of the region as prominent educational institutions from all over the country take part in the Fairs.



श्री प्रफुल गोबिन्द बरूवा

श्री प्रफुल गोबिन्द बरूवा, द असम ट्रिब्यून के प्रबंध निदेशक तथा सम्पादक हैं। आप पूर्वोत्तर भारत में पत्रकारिता के अगुआ माने जाते हैं।

2. आपका जन्म 26 जुलाई, 1932 में डिब्रूगढ़ में हुआ। आपने 1953 में प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता से अर्थशास्त्र ऑनर्स में स्नातक किया और 1955 में प्रेसीडेंसी कॉलेज से एम.ए.किया। वर्ष 1957 में कोलकाता विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. में स्वर्ण पदक विजेता रहे। शिक्षा के दौरान आपने 'द असम ट्रिब्यून' के लिए लेख तथा सम्पादकीय लिखकर अपना पत्रकारिता का करियर आरंभ किया। शिक्षा पूर्ण होने के पश्चात आप 1962 में न्यूज डेस्क से जुड़ गए और आपने विभिन्न पदों पर कार्य किया। 1964 में आप थॉमसन फाउंडेशन से अध्येतावृति मिलने पर पत्रकारिता के अध्ययन के लिए यूनाइटेड किंगडम चले गए। आपने 1966 में द असम ट्रिब्यून के प्रबंध निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया तथा पूरे संगठन को आधुनिक पृष्ठभूमि प्रदान की। द असम ट्रिब्यून के अलावा, आपके द्वारा चलाए जा रहे ग्रुप द्वारा प्रसिद्ध असमिया दैनिक 'दैनिकअसम तथा असमिया साप्ताहिकी 'असम बानी' का भी प्रकाशन किया जाता है। दैनिक असम ने अपने 53 वर्ष और असम बानी ने 63 वर्ष पूरे कर लिए हैं, जिसने इस बात को झुठला दिया है कि असमिया समाचार पत्र अधिक समय तक नहीं चल सकते हैं। असमिया साहित्य के लिए आपके द्वारा दिये गए योगदान के क्रममें आपने एक साहित्यिक पत्रिका 'गरिओशी' आरंभ की जिसने लंबे समय से इस खालीपन को भर दिया। प्रकाशन-गृह "साहित्य प्रकाश" विगत शताब्दी की प्रमुख मान्यताओं के पुन: प्रकाशन के कार्य के अलावा राज्य के प्रतिष्ठित साहित्यिक व्यक्तियों की पुस्तकों के प्रकाशन कार्य के द्वारा असमिया साहित्य के विकास में योगदान दे रहा है।

3. आपका सबसे उल्लेखनीय योगदान द असम ट्रिब्यून समूह द्वारा आपके नेतृत्व में चलाए जा रहे समाचार पत्र की अहम भूमिका निभाने में रहा,जो कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों से संबंधित हर मुद्दे पर ध्यान देता है, यह समाचार पत्र लोगों की आवाज भारत सरकार तक पहुंचा रहा है। जब कभी भी पूर्वोत्तर क्षेत्र ने किसी भी संकट की स्थिति का सामना किया चाहे वह विदेशियों की हत्या की समस्या हो, 1962 में चीनी आक्रमण,या फिर 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध इत्यादि हो, आप हमेशा आगे खड़े रहे, आपने यह सुनिश्चित किया कि असम ट्रिब्यून समूह के समाचारपत्र क्षेत्र के लोगों के साथ खड़े हों और समग्र राष्ट्र के कल्याण के लिए कार्य करें।

4. देश के इस पिछड़े भाग में पत्रकारिता के क्षेत्र में आपके योगदान के लिए आपको विभिन्न प्रख्यात व्यक्तियों और संगठनों द्वारा सम्मान दिया गया। 2014 में असम ट्रिब्यून के प्लेटिनम जयंती समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने समाचार पत्र को उस क्षेत्र के लोगों की आवाज के रूप में वर्णित करते हुए कहा "पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोग सुबह की चाय की प्याली के बिना जीवित रह सकते हैं पर द असम ट्रिब्यून के बिना नहीं।" यह आपकी नेतृत्व की क्षमता और सम्पादकीय कौशल का श्रेष्ठ प्रमाण है। अप्रैल 2017 में द असम ट्रिब्यून के प्लेटिनम जयंती के समापन समारोह में परम पावन दलाई लामा भी शामिल हुए। पत्रकारिता के क्षेत्र में आपकेयोगदान के लिए मिले बहुत से प्रशस्ति पत्रों के अलावा, हाल ही में स्व. कमला साइकिया ट्रस्ट द्वारा आपके पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान के लिए आपको सम्मानित किया गया। इस ट्रस्ट की स्थापना पत्रकार कमला साइकिया की याद में की गई, जिन्हें आतंकवादियो द्वारा गोली मार दी गई थी।

5. साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में आपके योगदान के लिए असम साहित्य सभा द्वारा आपको लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। कैंसर के नियंत्रण हेतु जागरूकता पैदा करने में आपकी भूमिका के लिए डॉक्टर बी बरूआ कैंसर संस्थान ने आपको प्रशंसात्मक उद्धरण प्रदान किया है। युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए आपने ज्योतिरूपा, एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन की नींव रखी, जो न केवल वार्षिक ड्रामा उत्सवों तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है बल्कि देश के विभिन्न भागों से प्रसिद्ध कलाकारों को असम में अपनी प्रस्तुति देनेके लिए बुलाता है ताकि राज्य के लोग दिग्गजों को अपनी प्रस्तुति देते हुए देख सके और आनंद उठा सकें। असम के चहुंमुखी आर्थिक विकास के लिए, आपने और आपके कुछ निकट साथियों ने "असम परकल्प" बैनर के तले सेमिनारों की एक श्रृंखला आयोजित की है। अर्थशास्त्रियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने सेमिनार में भाग लिया तथा इसके परिणाम सरकार को सौंपे गए, जिनसे सरकार को असम के विकास के लिए नीति निर्धारण करने में सहायता मिलती है। आपने पूर्वोत्तर में निवेश सुविधाओं पर कार्यक्रम को भी प्रायोजित किया जिसमें अन्य लोगों के साथ-साथ भूतपूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह भी शामिल हुए। आपके नेतृत्व में, द असम ट्रिब्यून भी क्षेत्र के छात्रों के लाभ के लिए पूर्वोत्तर के विभिन्न भागों में शिक्षा मेले आयोजित कर रहा है, जिसमें देशभर से आए प्रख्यात शैक्षिक संस्थान प्रतिभागिता करते हैं ।